(2) नम्बर

नाम श्री धुलजी वल्द अमराजी
ग्राम निवासी बरण्डवा तहसील तराना
पोस्ट कनासियाजिला उज्जैन (म.प्र.)
जो को ~~अक्ष~~ बिलकुल अनपढ़ है उनकी
यह डायरी है ।

साखी

§1§ ए जी नमो नमो गुरू देव को और नमो कबीर कृपाल ।
नमो संत शरणागती तो सकल पाप होय छार ।।

§2§ पैला कीनको मनाईये और कीनका लीजे नाम ।
मात पिता गुरू आपना तो अलक पूरब का ली जो नाम ।।

§3§ अलक पुरूष निबाण है और वाकों लखे ना कोय ।
वा को तो वो ही लखे जो वाही घर का होय ।।

§4§ घर का बहुआ तो क्या हुआ तक्त तने का होय ।
तक्त तने का सूरमां शब्द विवेकी होय ।।

§5§ शब्द विवेकी पारखी और सिर माथे का मोड़ ।
सब संतो को बन्दगी अपनी अपनी ठोर ।।

भजन क्रमांक नं. 1

टेंक रामजी रतन रस लाग रया रे कोई संत सोहाना हो ।

चरण 1 एक इन्दारी आरली जमे दियो ना बाती हो -2
हाथ पकड़ जम घेर चल्या रे कोई संग संगाती हो । टेंक

चरण 2 रैयत अपनी बस करो रे फौस हुकम चलावो रे - 2
सुखमण हीरा छेक के रे उपर चढ़ जाना हो ।। टेंक

चरण 3 सामरत के चाकर दो जणा रे एक ज्ञानी एक ध्यानी रे - 2
कन्ठी रे माला ताज फकीरे जम देख डराया हो ।। टेंक

चरण 4 धरम राय घर भीड़ भयी रे बोरला ठेराया हो -2
कहे कबीर सब जीव से रे पंत गाओ निर्बाणा हो ।। § टेंक

भजन क्रमांक नं. 2

टेंक दरस पीया तेरा कारणे रे मै होई दिवानी हो -2

चरण 1 गांव ठोर पूछत फीरे रे कोई सखीया सहेली हो -2
अपना पिया का मेरम जाणे नहीं रे मैं तो भरम भूलाणी हो ।। टेंक

चरण 2 पान सरीको पीली पड़ी हो दन-दन दुबलानी हो -2
आग लगो इनणा जोग ने रे गुरू भक्ती नि जाणी हो ।। टेंक

चरण 3 बाल पणा में गुरू नहीं मिल्या रे ब चली जाय जवानी हो -2
आयो बुढ़ापों जम घेर चल्या रे पीछे पछताणो हो ।। टेंक

चरण 4 अबीतो तेरा क्या बीगड़ा रे तुन मान गुमानी हो -2
कहे कबीर इणा जीव से रे पंत गावो निर्बाणी हो ।। टेंक

- -

साखी

जो तु साँचा बाणीया और साँची हाट लगाय ।
अन्दर झाड़ु देय के कूड़ा देय निकाल ।।

भजन क्रमांक नं. 3

टेंक आया व्यापारीनज नाम का हांटा चलो भाई हो -2

चरण 1 साधु संत का हाट लग्या रे गुरू करे है दलाली हो -2
सौदा करो रे सत नाम का रे परखो टकसारा रे ।। टेंक

चरण 2 कायन का पलवा करो रे कायन करो डांडी हो -2
काय का बाट चड़ाय के रे पूरा करो भाई हो ।। टेंक

चरण 3 नेम धरम का पलवा करो रे मनछा करो दांडो हो -2
सत का बाट चड़ाय के पूरा करो भाई हो ।। टेंक

चरण 4 कर सौदा घर को चल्या रे जमने रोक्या द्वारा रे -2
लेखा पूछेगा दिन रात का रे तुम किनका व्यापारी हो ।।टेंक

चरण 5 बातन से बांता भई हो गुरू की छाप दिखाई हो -2
इतनी सुनता जम कायर भया रे जमने सीस नमाया हो ।।टेंक

चरण 6 कहे कबीर कही मान लो रे सुनलो रे हमारी हो -2
सौदा करो सत नाम का रे नफा तुम्हारा हो ।। टेंक

- -

साखी

अरे हंसा तु तो सबल था और हल्की थारी चाल ।
रंग कुरंगे से किया तने और किया लगवार ।।

भजन क्रमांक नं. 4

टेंक नज मल बाड़ो भ्रम हीरी केवड़ा जोण ने बाग लगाया हो -2
बाग में हो बृज लगाया हो ।। टेंक

चरण 1 तीन खुट नव दस दरवाजा जीनमें बाग लगाया हो -2
बीगर फल फूल लागरया हो जीनने बागल खाया हो ।। टैंक

चरण 2 झलमल झलमल होई रया झीणो उड़े झनकारा हो +2
गगन अंतर का झूलना रे जापर भंवर लुम्बाना हो ।। टैंक

चरण 3 इंग्ला पिंगला सुखमणा हो जीणने रैंट चलाया हो -2
सुरत पंखइया लाग रया हो जल गगन चड़ाया हो ।। टैंक

चरण 4 रामदास गुरू है अबी न्यासी जिनने पंत चलाया हो -2
कहे कबीर बूझ इणा जीव से रे जीणे राम मिलाया हो ।। टैंक

- -

साखी

जल में बूड़ी गागरी ने जल गागर के माय ।
दुनिया ऐसी बूड रही भव सागर के माय ।।

भजन क्रमांक नं. 5

टैंक कांतो सइया घर की या पूणी है सुमरण को ।।

चरण 1 हो प्रेम पिंजारो पूणी लायो उलट कामणी हरको * -2
ननद बाई ने सूत उगाल्यो ननद बाई हरको ।। टैंक

चरण 2 हो तन ताकडो मन चमार कुकड़ो है उणघर को -2
चोटी से वहाँ छणके रालो नज माखन को ।। टैंक

चरण 3 हो अदर झेला अदर अंगिटी कजली है पवन की ।
दास कबीर जी बूणवा लागा नाव चले गुरूगम की ।। टैंक

चरण 4 सुन सोखल पर हाट भराणी अमर है उन घर की -2
दास कबीर ने सूत मोलीयो अमर कोठला भरसी ।। टैंक

- -

साखी

§1§ गढ़ उपर धर्मदास है सतनाम की टैंक ।
पहुंचे साहब कबीर है तहाँ न शब्द विवेक ।।

§2§ भेग बराबर होय रया ने भेद बरोबर नाव ।
तोल बरोबर धुंग ची तो मोल बरोबर नाय ।।

भजन क्रमांक नं. 6

टेंक — सौदा परारा जाता है माल जीनोंमें जमा किया सौदा परारा जाता है ।। 2

चरण 1 — ऊँचा निचा महल बनाया जाँ बेठा चौबारा है जाँ बेठा चौबारा हो
सुबह तलक और जाग्रत रहना राम पुकारा जाता है ।। टेंक

चरण 2 — इन सब की लार मत चल मेरे भैया ठग बात और तेरा है । 2
इस नगरी के बीच बु मुसाफीर हंस के मारा जाता है ।। टेंक

चरण 3 — भाई बन्धु तेरा कुटुम कबीला ठंग ठग के सब खाता है 2
आया जम जब दिया नगारा सपा अलग हो जाता है ।। टेंक

चरण 4 — किसकी जोरू किसका नाता कौन किसी के यहाँ आता जाता रे ।
कहे कबीर सुनो भई साधो मरयाना जमपुर जाता है ।। टेंक

- -

साखी

गुरू को कीजीये बन्दगी और कोट-कोट प्रणाम ।
कोट ना जाणे भ्रंग को क गुरू करले आप समान ।। 2

भजन क्रमांक नं. 7

टेंक — कोई मिले हमारा देशी गुरू गमकी बातां केतो । 2

चरण 1 — एन काया में बाग बगीचा भंवर बासना लेतो । 2

चरण 2 — ईन काया में सात समुन्दर बीच में गंगा बेहती । 2

चरण 3 — इन काया में दस दरवाजा दस में खिड़की खुलती । 2

चरण 4 — कहे कबीर सुनो भाई साधो दिल को साफ कर लेतो ।2

- -

भजन क्रमांक नं. 8

टेंक — राज रंगीला दिलदार रंगीला बनड़ा ।
तम सीदे मारंग चड़ीयो म्हारा राज रंगीला बनड़ा ।। 2

....5..

चरण 1 मूल कमल का बन्द बन्दइले पवना में पवन मीलइयो ।
इन्द्र सीड़ी बाम साद के जद वो मारग पइयो ।। टैंक

चरण 2 पांची रंगवा पेला दीखे पीछे जगमग होईये ।
सूरत लगा के चंदा दीसे इगर मंगर वहाँ होईयो।। टैंक

चरण 3 आदर आसन आंदर सिंगासन आदर मंडल छइयो ।
सोहन शब्द उठे झनकारा सूरत मारे घर लईयो ।। टैंक

चरण 4 तारा मंछल छेक के रे सुन सीखल पर चड़ीयो ।
सुन सिकल पर संत बिराजे वाका दर्शन पाईयो ।। टैंक

चरण 5 छोल छीला कर हीरा करो जद वो मारग पइयो ।
कहे कबीर सुनो भाई साधो सामरत पर लिखवाईयो ।। टैंक

साखी

एजी जबी नाम हीर्दे भयो पाप को नास ।
जैसे चीनगी आग की पड़े पुराने घांस ।।

भजन क्रमांक नं. 9

टैंक नाम रट मन नाम भजले नाम रट मन बावरा।
अपणा साहब से हेत करके छोड़ कपट और दाव रे ।। 2

चरण 1 जैसो रे उगे नर ऐसा आथमें पड़गई रजनी सांझ हो ।
भूत सरी व कोई अई वंई डोले जरा नहीं विश्राम हो ।। टैंक

चरण 2 ऐ बकरी रे खाये बन्दा आसी पाती उलटी हेड़ी उनकी खाल हो ।
जोणने खाया मांस मोट्टी उनका कई हवाल हो ।। टैंक

चरण 3 इणी जोव्या का स्वाद कारण बिगड़ गया संसार हो ।
जम के द्वारे मार पड़ेगा लोयो घड़े x लुहार हो।+ टैंक

चरण 4 बुरी रे हाय इणा गरीब की कबी ना निसफल ह जाय हो ।
मुवा भेड़ की खाम से लोयो बसम होई जाय हो ।। टैंक ।

चरण 5 चार पेर बन्दा कलपत करी करी रयो मुर्दा सई सोय हो ।
कहे कबीर सा सुणो भई साधो ऐसो हाय ना जाय हो ।। टैंक

भजन क्रमांक नं. 10

टेंक — रटना बावरा हो भज राम चरण चन्त लाय ।
ऐ हाँ हो भज राम भजराम हाँ हो भजराम हाँ हो भजराम चरण चतलाय
रटना बावरा हो भजराम चरणे ।। 2

चरण 1 — उग्या सा सूरज हरी हद में रे प्रभू फूल्या सोई रे कुमलाय ।
अरि थैया समन्दर देन पड़े जन्मा सोई रे मर जाय ।। टेंक

चरण 2 — कस्तूरी में मृग बसे रे प्रभू मोरग बसे है बन माय । बनमाय ।
हरीयाली में हरी नन्द बसे इणा अन्दा ने सुजत नाय ।। टेंक

चरण 3 — बेर बेर सब झाड़ू माहारा प्राणी तु तो बाग बगीचे मत जाय ।2
राम रस तम सदा पीयो जाण जहर मत खाय ।। टेंक

चरण 4 — आया सो नर सब जायगा रे प्रभु राजा रंग फकीर । 2
गुरू रामानंद का हरी बाल का रे ई तो गावे दास कबीर ।। टेंक

साखी

स्वासा की कर सुमरणा और धर अजबा को ध्यान ।
परंम तत्व हिर्दय धरो सोहंग आपो आप ।।

भजन क्रमांक नं. 11

टेंक — धार वो सुंमले सुहागण धार वो सुण ले । ऐसो के एक दन
धार वो सुण ले वो सुहागन धार वो सुण ले ।। 2

चरण 1 — मूल कमल पर बैठ के दोनो बन्द बन्दाय के ।
सुरत नाम से उठे चान्या रे अखी कमल को बाटे ।। टेंक

चरण 2 — अजबा से आगे बड़ो मकड़ तार लग डोरी ।
साहब का परताप से रे बोन नेना बोन हेरी ।। टेंक

चरण 3 — गंगा जमना सरस्वती तबेणी नज घांट है ।
सदा झरे अमीरस बरसे भंक नाल को बांटे ।। टेंक

चरण 4 — हीरा अमोलक नीबजे वहाँ हो अजबा जाप है ।
अनेक साधी तरी गया रे जम नही रोके बाटे ।। टेंक

चरण 5 लोब लालच कूल छोड़ दे चड़ीया निसाण बजाय ले ।
चंवर ढले वहाँ धके मखाणा मंगल उड़े घन साना ।। टेंक

चरण 6 ये बतीया मेरे साहब की कोई हरिजन करो बीचारा ।
कहे कबीर सुणो भाई साधो कोई आवे कोई जावे ।। टेंक

- -

साखी

एजी पाँच तत्व तीन गुण के आगे मुक्ती मुकाम ।
जहाँ कबीर सा घर किया जहाँ गोरख दतना राम ।। 2

भजन क्रमांक नं. 12

टेंक अमर लोग से हम चले आये आये सत मणी द्वारा हो ।
सही छाप परवाना लाये साहब के कणी यारा हो ।। 2

चरण 1 बसंत ब्यालीस थाना रोप्या जंबू दीप मणी द्वारा हो ।
जीव दूखीया देख्या सनसारा ता कारण पग धारा हो ।। टेंक

चरण 2 मक्का मदीना भक्ती कर डारी कर चौका बोस्तारा हो ।
बचन बंसं का बीडा पावे तब होवे निर्बाणा हो ।। टेंक

चरण 3 तेरा पोड़ी ज्ञान रस ध्याना बूड़ा मुनि अवतारा हो ।
जिनको देह छाया नहीं x दरसे देह पे देह अवतारा हो ।। टेंक

चरण 4 बारहा पंत मीटेगा आगे अदली अदल चलाया हो ।
दो दिन तो ले परवाना सत चाल ठेराया हो ।। टेंक

चरण 5 जीनके आगे जोग तप चल जाय राज नीत्ति मिट जाय हो ।
तबही पारस पान उगेगा तब निंद्रा मिट जावे हो ।। टेंक

चरण 6 नेकी करनी चीत में राखो गुरू सरणे लव लाया हो ।
गुरू सरणे वहाँ नाम के सरणे हंस गति वहाँ पाया हो ।। टेंक

चरण 7 जब लग कोल पहुँचेगा नाही तब लग बेद छीपाया हो ।
कहे कबीर सुणो भाई साधो या गत तोय x लीखाया हो ।। टेंक

- -

कैसेट नम्बर 2

साखी

मैं अपराधी जनम का औरि निकसिक भरा विकार ।
तुम दाता दुख भंजना मेरी करो सम्भाल ।।

भजन क्रमांक नं. ।

टेंक कैसे मिलू वो साहब से जाय मिलना कठीन है ।

चरण । अरे घांट अठ्यासी पीन्डा मूसीकल मोसे चड़ीयो ना जाय ।
किजो मेरा बन्दी छोड़ के बंया पकड़ ले जाय ।। टेंक

चरण 2 पंथ चलुं तो पांव रपटे वाँ भी नी ठेराया ।*
जुगत जुगत से बांदू तो बेर बेर डोग जाय ।। टेंक

चरण 3 हो लोब लालच मर जात हमारी देखत मन ललचाय ।
सखी तजेगा वास पीयू का लाजा तजी ना जाय ।। टेंक

चरण 4 ना भजू तो पहुँच नहीं ने हेली दियो न जाय ।
मकड़ तार की लंबी डोरी सूरत झीकोला खाय ।। टेंक

चरण 5 हो अगम पंत के मिले गुसाईं ग्यान दिया बताय ।
कहे कबीर सुणो भई साधो अमर लोग पहुँचाय ।। टेंक

भजन क्रमांक नम्बर 2

टेंक साये साये मूगत के पान साहब आये हो ।

चरण । पांच हजारा पाने से बोले चले सबद परवान ।
गीता भागवत या मे जगत भुलाय ।। टेंक

चरण 2 चवदा खंड पर जोत बीराजे तीन देव के पान ।
राजा प्रजा सबद का बोदा शील कपट अभी मान ।। टेंक

चरण 3 काल को जीव क्यो नहीं माने कोटल सूणियो ज्ञान ।
जैसे लाख अगन में पीगले पीछे काट समान ।।

चरण 4 तेरा पीडी ज्ञान रस ध्याना दोई दीन के पान ।
पर घर तो वहाँ सार सबद है सतजुग परगट आय ।। टेंक

चरण 5 सत लोग से साहब आये साये मुगद के पान ।
जीवा जोजन का बन्द छोड़ाया बन्दी छोड़ मेरा नाम ।। टेंक

साखी

कस्तुरी कुन्दन बसे और मृग ढूंढे बन माय ।
जैसे राम घट-घट बसे यह दुनिया जाने नाय ।।

भजन क्रमांक नम्बर 3

टेंक हरी रस ऐसा है रे भाई राम रस ऐसा है रे भाई ।
जिनका पीया से अमर होई जाय । हो मगन होई जाय हो
राम रस ऐसा है रे भाई ।। टेंक

चरण 1 हाँ हाँ सूगतड़ा गूंगा भया हो पीवत डा मर जाय साधुरे भाई
पीवत ड़ा मर जाय ।
जरा रे घट नीचे उतरे उतो मरे नी अमर होइ जाय ।। टेंक

चरण 2 हाँ हाँ मीठा मीठा सब पीये हो कड़वा पीये ना कोय ।
कड़वा [redacted] तो नर पीयेवो साधु जाका घड़ पर सीस ना होय।।टें

चरण 3 हाँ हाँ घर बाल्या घर उबरे हो घर राख्या घर जाय साधु रे
भाई घर राख्या घर जाय ।
एक अचम्बो मैं सुनिया मड़ो रे काल के यो खाय ।। टेंक

चरण 4 हाँ हाँ ध्रुव ने पिया पेलाद ने पीया पीपा भगत रामदास
[redacted] रे भाई पीपा भगत रामदास ।
साहब कबीर तो नाहो छक्या उनको और पीवन की आस ।।टेंक

- -

साखी

संत बड़े परमार थो ने सीतल जीनन्दा अंग ।
तपत बुझावे जीव की देदे अपना रंग ।। 2

भजन क्रमांक नम्बर 4

टेंक जीन में रर हो मामा दोई भांत हो महारी भगत उबारण चूनड़ी हो

चरण 1 बालमीक बनी बावीया बीण लियो सुखदेव साधु रे भाई
बीण लियो सुखदेव ।
करम डीन्डवो नाम को जीण ने कात लीयो झीणा सुत ।। टेंक

चरण 2 तीन लोग ताणो तण्यो ब्रम्हा, विष्णु, महेश साधु रे भाई
ब्रम्हा, विष्णु महेश ।
तार गिणत मुनी हारया हारया निरंजन देव हो ।। टेंक

चरण 3 तलबेणी नज घाँट पे वो चुनड़ रई है धीवाय साधु रे भाई
चुनड़ रई है धीवाय ।
सुरत सीला पे पछेट के जोणके ज्ञान मोगरा से धोय हो ।। टेंक

चरण 4 सुन सेर का बाजार में हो चुनड़ भरई है मोलाय साधो रे भाई
चुनड रई है मोलाय ।
सीर साटे वाको मोल है या तो तोयन सस्ती जाय हो ।। टेंक

चरण 5 तन हल्डा मन फटकड़ी हो चोला मीट मजूर साधोरे भाई
चोला मीट मजूर ।
भाव कड़ईया में उकले हो जिनके दोनों से उबजे गा रंग ।टेंक

चरण 6 तमी मत जाणो साधो चुनड़ी हो यो नज भ्रम है ज्ञान साधो
रे भाई यो नज भ्रम है ज्ञान ।
साहब कबीर बणी चुंनड़ी या तो नमदेव ने छापी भान्त हो ।। टेंक

- -

साकी

(1) बाड़ी बीगाड़ी बान्दरा ने सबा बीगाड़ी कूड़
भगती बीगाड़ी लोबी लालची तो केसर मिल गई धुल ।

(2) आगे आगे धुव जले ने पीछे हरिया होय ।
बलिहारी गुरू देव की जड़ काट्या फल होय ।।

भजन क्रमांक नं. 5

टेंक ऐसा हरी नाम ऐसा हरी नाम पियारा है हो ऐसा हरी
नाम हरे हरे ।। 2

चरण 1 कोई जल के बून्द से प्राण नीब जे हरे-हरे 2
जल मे किया पसारा पानी वाके पात्र मागे झलक जाये जैसा
पारा है हो ।। टेंक

चरण 2 जैसा सूर चड़या रण ऊपर पीछे पाँव नी धरा ।
बाको सूरत लड़ने ऊपर मारेगा प्रेम ललकारा है हो । टेंक

चरण 3 जैसे सतीया चले सत ऊपर हरे हरे पीयू का वचन नहीं ठारे ।
आप तरे औरन को तारे तार चली परवारा है हो ।। टेंक

चरण 4 गज ग्रह ते लड़े जल माय ही लड़त लड़त ग्रज हारा ।
तील भर सून्ड रही जल बाहर तब हरी नाम पुकारा हे हो ।।टैंक

चरण 5 ये भव सागर है नत गेहरा जैसी जल की धारा ।
कहे कबीर सुणो भई साधो संत उतर गये पारा है हो । टैंक

भजन क्रमांक नं॰ 6

टैंक निसाणा है निसाणा है पर है हो गगन के बीच निसाणा
उड़ाया गगन के बीच । 2

चरण 1 काय केरा हारवा ने काय के रोजा रे ।
रामा रामा काय का बण्या धन्धुकारा है हो ।। टैंक

चरण 2 तन केरा हारवा ने मन केरा रोजा रे ।
रामा रामा सुमरण बण्या धन्धु कारा है ।। टैंक

चरण 3 तमारा तो बेण साहब पाछा नी फेरया हो ।
रामा रामा अगम निगम लव लाया है हो ।। टैंक

चरण 4 डाबा तो चंदरमा ने जीवणा सूरज हो ।
रामा रामा दोनों की ओट मिल जाना है हो ।। टैंक

चरण 5 कहे कबीर सा सूणो भाई साधु हो ।
रामा रामा अमर कथा सुणवाया है हो ।। टैंक

साकी

एजी सुख में सुमरण ना किया और दुख में किया है याद ।
कहे कबीर वह दास की कौन सूने फरियाद ।।

भजन क्रमांक नम्बर 7

टैंक जायगा रे ज्ञानी योतन जायगा रे बन्न ज्ञानी थोड़ा समझे
अबेमावी योतन जायगा रे ज्ञानी ।। 2

चरण 1 धरती बी जायगा ने पृथ्वी बी जायगा रे ।
रजनी जायगा सारी ।। टैंक

चरण 2 राम जी भी जायगा लक्ष्मण भी जायगा ।
भरत शत्रुरत चारो भाई । टेंक

चरण 3 चंदा भी जायगा ने सूर्य भी जायगा रे ।
जायगा नवलख तारा ।। टेंक

चरण 4 ब्रम्हा भी जायगा है ने विष्णु भी जायगा रे ।
ऐ निरंजन जायगा सारा ।। टेंक

चरण 5 कहे कबीर सुनो भाई साधो रे ।
या है अमर निसानी ।। टेंक ।

भजन क्रमांक नम्बर 8

टेंक साहब हंस उबारण जुग में आवीया परगट होया नज नाम
काशी में दास कहाईया ।। 2

चरण । रामानंद गुरू किया के पंत चलावीया ।
छल बल दर्शन दे धोर समझावीया ।। टेंक

चरण 2 बरमा और सन्यासी के हांसी कीजिये ।
तजकाशी मग्गहर जाय तोई तो ना कीजिये ।। टेंक

चरण 3 मगहर झगड़ा थानों के दो दल बान्दीया ।
गढ़ बांधो रे धर्म दास आप कर थापीया ।। टेंक

चरण 4 तूरी बरण एक हंस कहोरे बखाण के ।
तुम उबजो नीज घर आय धरे पठान के ।। टेंक

चरण 5 सपने में झलकी राणी कहे रे अपने कंत से ।
ऐ खीलो ने सक्सक चादर पाट साहब गया लोप में ।। टेंक

चरण 6 नहीं गड़े ने नहीं जले नहीं तो बने शरीर है ।
दोई दीन देखत रहे अमर सत कबीर है ।। टेंक

चरण 7 बीजली खान पठान कबर खणावया ।
बीर सिंग राणी आय सादीयो दल साद के ।। टेंक

चरण 8 हद बांदो रे दरियाव उड़ो तो जाय के ।
लक्ष्मी सहीत जगन्नाथ मिले गा सायब आय के ।। टेंक

चरण 9 दूर मुख दुविदा होय तो दुख भगावीए ।
सब मिल पायो परसाद दुरनीति मत लाविये ।। टेंक

चरण 10 पंडित ने तब किना के पाखंड चलावीया ।
कुरान लिया साहब हाथ सबद लिखाविया ।। टेंक

चरण 12 ऐ तुम साहब हम हंस दया तो हम पर कीजिये ।
बंस बयालीस को राज अटल कर दीजिये ।। टेंक

चरण 12 कहे कबीर विचार सुणो रे धर्म दागरा ।
हंसा लेवा रे साहब हाथ उतारा भव सागरा ।। टेंक

- -

कैसेट नम्बर 3

साखी

ए जी आनन्द मंगल आरती सतगुरू सत कबीर ।
जम का फन्दा काट के हंस लगाओ तीर ।। ह 2

भजन-क्रमांक नं. 1

टेंक	हां संझा आरती संझा आरती नाम तुम्हारा अनहद दोनी गुरू ज्ञान बीचारा ।।
चरण 1	हां तत्व करो तेल हो तत्व करो तेल दया करो बातो । भ्रम अगन मन पवन सनेबा ।। टेंक ।
चरण 2	हां पांची बातो है पांच बातो निर्मल भारो सूरत चंवर लई सन्मुख डारो ।। टेंक *
चरण 3	हां प्रेम का धूप हो प्रेम का धूप धूप करो ध्याना चीत चंदन घीस आगे आना ।। टेंक
चरण 4	अब गत रूप हो अब गत रूप धर परमातारा आरतो गावे कबीर धर्म दासा ।। टेंक

भजन क्रमांक नं. 2

टेंक	अखंड आरती हो अखंड आरती खंड ना होई काल को मार रसातर बोई ।
चरण 1	हां खण्डु पीण्ड हो खण्डत पीण्ड इक्कीस बरबन्डा खण्डत नदी और अठारा धारा ।। टेंक ।
चरण 2	खण्डत धरती हो खण्डत धरती पवन अकासा । खण्डत चांद सूरज कैलासा ।। टेंक
चरण 3	हां खण्डत रघुपती खण्डत रखुपती खण्डत रावण खण्डत कृष्ण पीर बली बावन ।। टेंक
चरण 4	हां खण्डत जहां हर लग खण्डत जहां लग सकल पसारा । अखण्ड अखण्ड कबीर पुकारा ।। टेंक ।

....15..

साखी

रँग रँग बोले राम जी रोम रोम ररंकार ।
सेजे धुन लागी रहे यही सूक्ष्म सुमरण है सार ।।

भजन क्रमांक नंबर 3

टँक काया नगरी वो सूरत हतड़ी वो सूरत हतड़ी वो ।
ऐसो राम रतन धन कहाँ बीसरी ।। 2

चरण 1 राम राम एक पेड़ वाके अम्बक थम्बक जावे सोला पंखड़े ।
उस पंखड़ी पर अम्बर गरजे तो हाट लगेत्र ना हवड़ी ।। टँक

चरण 2 राम राम सेजा सुखमण बणज करे छोटी लाड़ी करे जकड़ी ।
ओहंग सोहंग सुमरण नहीं सांदया तो जैसी घटी माय मकड़ी ।। टेक

चरण 3 राम राम सून सेर सूमरण चड़ीया ने जापर फौज खड़ी ।
आप दीन वहाँ फौज में नगारो तो सायब कबीर की खड़ी ।। टँक

- -

भजन क्रमांक नम्बर 4

टँक तमने पूछे भलां तमने पूछे गोरख गुरू ज्ञानी कबीर साब
ब कब से भया हो बेरागी ।। 2

चरण 1 हाँ हाँ जरनी नहीं थी वहाँ जनम लीया था नीर नहीं वहाँ नाया।
हाँ हाँ जमीन नहीं थी वहाँ पवि धरया था तो सुरग नहीं था वहाँ
जाया गोरख नाथ जब से भया बेरागी ।। टँक

चरण 2 हाँ हाँ सतजुग में पग पावड़ी लीनी ने द्वापुर लीना डन्डा ।
त्रेता युग में अड़ बन्दन बांध्या तो कलजुग फरया नव खण्डा ।
गोरख नाथ जब से हुआ बैरागी ।। टँक

चरण 3 राम राम बीरमा नहीं जदकी मून्ड मूंडाई ने बीस्नू नहीं जग का
टीका । हाँ हाँ सब सक्ती का जनम नहीं था तो जद का लिया
झोली सिका ।*
गोरखमें जब से भया बेरागी ।। टँक ।

चरण 4 राम राम से जम सेजका होई गया मेला तो गुरू करया रामानन्दा
कहे कबीर सा रेहाँ सूणो भाई साधु तो मेरा मन भया आनन्दा ।
गोरख में जब से भया बेरागी ।। टँक

....16..

भजन क्रमांक नम्बर 5

टेंक ऐसा कोई रे पूछे माई बावरा गोरख उमर हमारी ।
हम तो सबी के माय रमीरया खेलाँ जुग चारी ।। टें

चरण 1 ऐसा पदम गणेशा होई रया सक्ती कोन बीचारी ।
हाँ हाँ याद मायारी तुझे गम नहीं मुन्डी चेली हमारी ।। टेंक

चरण 2 ऐसा बावन से बल होय रया के केरव दल भारी ।
हाँ हाँ के बीरया रावण होया होया लखयारी ।। टेंक

चरण 3 ऐसा कोटक ब्रम्हा होई गया नव कोट कन्हैया ।
हाँ हाँ सकल करोड सम्बू भया मेरी एक पलीया ।। टेंक

चरण 4 ऐसा नहीं रे बूढा नहीं बालका नहीं जनम भीकारी ।
हाँ हाँ कहे कबीर सुन गोरखा ऐसी उमर हमारी ।। टेंक

साखी ।

एजो घट में ओघट पावईया ओघट माही घाँट ।
कहे कबीर परिचय भया जो गुरू दीखाई बाट ।।

भजन क्रमांक नंबर 6

टेंक थारा घट माय ज्ञान का जंजीरा सतगुरू सुलजावीया ।
थारा भरया समझ वाला हीरा मरजी वाला पावीया ।।

चरण 1 योमन लोबी लालची रे यो मन कालु चोर ।
कुबुद्धी की जाल चलावे हाँ ।। टेंक

चरण 2 गोला छुटा है गुरु ज्ञान का रे कायर भाग्यो जाय ।। टेंक

चरण 3 हाँ बाँगा रे बाँगा में कोयल बोले दन में बोले मोर ।
सावणयारी लेहरा बी आवे ।। टेंक

चरण 4 घाँस पूस सब जली गया रे रई गई सावणयारी दूब
कोई को दिन उलट आवे रे हो ।।टेंक

चरण 5 उन्डा दरियाव की माछली रे कोई सुती सुख भर निंद ।
कालूड़ो थारो जाल चलावे रे हाँ ।। टेंक

चरण 6 गुरू रामानन्द की फोज में सन्मुख लड़े कबीर ।
सबद वाला बाण चलावे रे हाँ ।। टॅंक ।

भजन क्रमांक नं. 7

टॅंक पड़ो सुवा सतनाम बेठो रे तन ताक में ।
चार दिनों का रंग मिली जावे खाक में ।। टे 2

चरण 1 चड़ी गया तेल फूलेल काया बणी चामकी ।
एक गरद मरद होई जावे दुवाई सतनाम की ।। टॅंक

चरण 2 चमका दिया है उजास मेहल का बीच में ।
एक को संगत के काज रेण दीन सोवता ।। टॅंक

चरण 3 ऐ चेतो चतर सुजान जम से राड़ है । ह कहक
एक काल के हाथ कबाण चड़ा का मार के ।। टॅंक

चरण 4 या गूदरी है गलतान सबितो गल जायगा ।
ए राजा रंक फकीर मिट्टी में मिल जायेगा ।। टॅंक

चरण 5 सतगुरू जोहरी आया के माणक लावीया ।
ब ऐ कश्या गढ़ नगर बजार बजार लगवाईया ।। टॅंक

चरण 6 सुन सेर मॉंडी है दुकान झलामल होई रया ।
ऐ झलमल झलकेजोत सहाब विराजिया ।

चरण 7 उठो सुहागण नार मेहल की गम करो ।
ए खीलो नी हहहह हहह कपट किमाड़साहब संग जाई मिलो ।।टॅंक

चरण 8 कहे कबीर बिचार रेण देण सार है ।
ऐ है कोई चतर सुजान भजन का ह पारखी ।। टॅंक

भजन क्रमांक नं. 8

टॅंक तम तो आओ म्हारा सतगुरू धन महारा भाग है ।
आवे धन म्हारा भाग तमारा नाम को आधार हो ।।

चरण 1 हाँ हाँ गुरू आया सभी आया आया दीन का दयाल रे
हर हर भव सागर में डूबतै उबारो आन पकड़ी बाय हाँ ।
आओ म्हारा सतगुरू जी धन म्हारा भाग ।। टॅंक

...18..

चरण 2 — हाँ हाँ जणी जणी जरनो हारी ने पीता दई दई दान रे ।
जनम लई लई जीव हारयो चढ़ीयो सतगुरू हाथ हो ।
आओ म्हारा सत गुरू जी धन म्हारा भाग है ।। टेंक

चरण 3 — हाँ हाँ नागजी ने इंन्डा मेल्या मेल्या तीन सो साठ है ।
जो आया है शरण तुम्हारी और चोरासी माय हो ।
आओ म्हारा सत गुरू जी धन म्हारा भाग है ।। टेंक

चरण 4 — हिन्दु मुसलमान लड़वा लागा ने पड़या चोपट माय हो ।
हाँ हाँ एक घर से दोनों आया यहीं पड़ गई भांत हो ।
आओ म्हारा सत गुरू जी धन म्हारा भाग हो ।। टेंक

चरण 5 — हाँ हाँ मुसल मान ने प्याला पिया हिन्दु सुणीया नाम हो ।
पीर मुसल को गम नहीं कूण पूरे गा साथ हो ।
आओ म्हारा सत गुरू जी धन म्हारा भाग हो ।। टेंक

चरण 6 — साँचा साँचा बेण बोले गुरू कबीर दास जी ।
जीन को साँचा बाण लाग्गा वो उतरी ग्या पार हो ।
आओ म्हारा सत गुरू जी धन म्हारा भाग हो ।।

भजन क्रमांक नं. 9

टेंक — मैं तो लऊँ वाँ तुम्हारा नाम हाँ हाँ वो
साधो मै बन्जारण नाम की ।।

चरण 1 — करम कड़ीया मैं उकले हो मन का मैदा होय है ।
जलती अगन मैं कूद पड़े वो साधू मेवा मिठाई बण जाय ।। टेंक

चरण 2 — तन हमारो या ताकड़ी वो साधो मन हमारा सेर है ।
सुरत नीरत की डान्डी बणी वो साधो तोलण को कई फेर ।। टेंक

चरण 3 — सरग हमारा झोंपड़ा ओ साधो भव सागर मैं दुकान है ।
सत गुरू सोदे आवियां हो साधू बसत लई पेचान हाँ ।। टेंक

चरण 4 — लोब लालच न नदियाँ बहे ओ साधू लख चोरासी की धार ।
नूगरा नर जामे बई गया हो साधो संत उतर गए पार हाँ ।। टेंक

चरण 5 — हाँ कहे कबीर कालु केसवा वो साधो * जुगतो अगम अपार है ।
साद लागा हरी का नाम से वो साधो फीका लागा संसार ।। टेंक

केसेट नम्बर 4

साखी

॥1॥ संझा सुमरण आरती ने भजन भरोसे दार ।
मनछा बाचा करमणा जब तक घट में स्वास ।।

॥2॥ स्वास स्वास में नाम है बीर्था स्वास मत खोय ।
ना जाणे इणा स्वास को आवण होय ना होय ।।

भजन क्रमांक ।

टैंक मती करो अबीमान हाँ हाँ वो साधु खलक समाणी खाक में हो ।।

चरण । भोतक तोड़िया पाखवा भोतक देव मनाया है ।
ऐ भोतक देव थारा कामें नी आया हो जम पकड़ लिया जाय हाँ ।।
हाँ वो साधो कलक समाणी खाक में ।।

चरण 2 हाँ मोटी केरा पूतला वो साधो भोतक बन्द बन्दाया है ।
बिना सतगुरू बीना कामें नो आया ऐ बीना सतगुरू कामें नी
आया जम पकड़ लिया जाय है ।।
हाँ वो साधो खलक समाणी खाक में ।।

चरण 3 ओस केरा मोतीया वो साधो जू बणीया संसार है ।
ऐ झलमल झलमल दूरा से दिखे पवन चले ने इ ढल जाय है ।।
हाँ वो साधो खलक समाणी खाक में ।।

चरण 4 मात पिता सूत बन्दवा ओ साधो ओर दूलनया नार है ।
या संगत दिन चार की वो साधो बिछड़ता नी लागे बार हाँ ।
हाँ वो साधो खलक समाणी खाक में ।।

चरण 5 कहे कबीर सा कालु केसवा ओ साधो जुगती अगम अपार है ।
साद लागा हरी का नाम से वो साधो फीका लागे संसार है ।।
हाँ वो साधो खलक समानी खाक में ।

साखी

भगत दोलावर उबरया लाया गुरु रामानन्द ।
परगट करी कबीर ने सात दिप नौ खण्ड ।।

भजन क्रमांक नम्बर 2

टैंक अखण्ड साहब को नाम और सब खण्ड हैं ।
एक खण्डत मेहर सुमेर खण्ड ब्रहमं है ।।

चरण 1 सीर ना रहे रे धन धाम जीवन द्वंद है ।
रे लख चौरासी को जीव पड्यो ब्र जम फंद है ।। टैंक

चरण 2 जीनको साहब से हेत सोई नरबन्द है ।
उन सन्तन के संग सदा आनन्द है ।। टैंक

चरण 3 चंचल मन थीर राख तभी भलो रंग है ।
उलट निकट भर पीव अमीरस गंग है ।। टैंक

चरण 4 दया भाव हीतराख भगती को अंग है ।
कहे कबीर सा ह चित चेत जगत पतंग है ।। टैंक

- -

भजन क्रमांक नम्बर 3

टैंक * भलो बन्यो रे संसार भंवर उड़ जायगा ।
भगती बीना रे भगवान जनम पसताय गा ।। टैंक

चरण 1 कहाँ से आयो जीव कहाँ तो चल्यो जायगा ।
रे जीवता करलो पहचान मुवा तो पछतावोगा ।। टैंक

चरण 2 रे सत लोग से आयो जीव त्रीलोक जई समायगा ।*
भूलिगयो वाको देस माया में लीपटायगा ।। टैंक

चरण 3 रे नहीं थारे गाँव ना ठाँम नहीं तो पूरण पातला ।
सभी नर हाट बाट कोई तो नहीं आपणा ।। टैंक

चरण 4 हाँ कहे कबीर सा बीचार सूणो हंस बावरा ।
थारो हंसो चल्यो है सतलोग बोहर नहीं आवणा ।। टैंक

- -

साकी

रेजी घटि पाणी सब भरे ओघट भरे ना कोय ।
ओघट घटि कबीर का भरे सो निर्मल होय ।।

भजन क्रमांक नम्बर 4

टेंक जीनका पीया से अमर होय जाय हो मगन होय जाय ।
हरि रस ऐसा है रे भाई ।।

चरण 1 हाँ हाँ सूंगतड़ा गूंगा भया हो पीवतड़ा मर जाय * साधो रे भाई
पीवतड़ा मर जाय ।
जरा रे घट नीचे उतरे * वो साधो तो मरे नी अमर होय जाय *। टेंक

चरण 2 हाँ हाँ मीठा मीठा सब पीये हो कडवा पीये ना कोय । साधो
रे भाई कड़वा पीये ना कोय ।
कड़वा तो वो नर पीये साधो जाका धड़ पर शीश ना होय ।। टेंक

चरण 3 हाँ हाँ घर बाल्या घर उबरे हो घर राख्या घर जाय साधो रे
भाई घर राख्या घर जाय ।
एक अचम्बो मैं सुण्यो यो मड़ो रे काल के खाय ।। टेंक

चरण 4 हाँ हाँ ध्रुव ने पिया पेलाद ने पिया और पिपा भगत रेदास
साधी रे भाई पिपा भगत रैदास ।
सायब कबीर तो नहीं छक्या उनके और पीवन केरी आस ।। टेंक

साखी

भेद बरोबर हुई रया ने भेद बरोबर नाय ।
तोल बरोबर घुंगची तो मोल बरोबर नाय ।।

भजन क्रमांक नम्बर 5

टेंक ऐसी हवा हो गोरख आवेगा धन्धु कार मचेगा ।
सेस कला सूरज उगेगा धरती तम्बूड़ा तणेगा ।।

चरण 1 हाँ हाँ गव रे होला मान जनमेगा पाड़ा हल में चलेगा ।
हाँ हाँ टक्का में टट्टू बेचायगा दमड़ी तोरया बीकेगा ।। टेंक

चरण 2 हाँ हाँ गंगा जमना सूखी जायगा समदर झरो तो खुदेगा ।
ऐसा गंव रे चणा गोरमा बिकेगा काटे नीर तुलेगा ।। टेंक

चरण 3 नर हिमालय * गली जायगा तिरया रण में लड़ेगा ।
छतरी धरम डूबी जायगा नीच घर गाय रखेगा ।। टेंक

चरण 4 हाँ हाँ अणी जमीन के उपरे बावन भेग चणेगा । ... लटकेगा ।। टेंक
नहीं रे जमीन नहीं आसमान बीच में लटकेगा

चरण 5 हाँ हाँ उजणी नगरी का सेर में सोत बड़ चंवरी रचेगा ।
हाँ हाँ कहे कबीर सुन गोरखा जुग में चूणा चुगेगा ।। टैंक

साखी

उंचे पाणी ना टीके नीचे ही ठहराय ।
नीचा होय तो भरी पीवे ऊँचा प्यासा जाय ।। टैंक

भजन क्रमांक नम्बर 6

टैंक जामे प्यासो मर जाय हो अजाण लाला गुरू का दरिया सागर भरिया ।।

चरण 1 हारे लाला साँटा से गुड होत है या तो गुड़ केरी सकर होय ।
सतगुरू मोल मिसरी बणे वाको नाम धरयो है झीणी खाण्ड ।। टैंक

चरण 2 हाँ रे लाला दूदाँ से दही होत है । या तो दही मथी माखन होय ।
लाला अगम सरीखी मा सावीया जीनकी फेर नहीं सावण होय ।। टैंक

चरण 3 हाँ रे लाल अरवण परवण दोई पावटा जामे पाणी भरे पणियार ।
लाला सुगड़ घडोलियो भरी चली या तो मूरख रई मूलखोय ।। टैंक

चरण 4 हाँ रे लाला अगम निगम दो सेर बसे जामे बणज करे सब लोग ।
सुगरा नर सौदा करी चल्या ड तो नुगरा रया मूलखोय ।। टैंक

चरण 5 हाँ रे लाला रूजक मोत म दोई साजणा ई तो है महारा सतगुरू के हाथ।
लाला कहे कबीर धर्मदास से जिनका हंसा सतलोग जाय ।। टैंक

साखी

§1§ एजी सील मन्त सबसे बड़ा ने सब रतनों की खान ।
तीन लोग की सम्पदा रही शील में आन ।।

§2§ ए जी शील समा जब उबजे और अलग द्रष्टि जब होय ।
बीना सील पहुँचे नहीं लाख कथे जो कोय ।।

भजन क्रमांक नम्बर 7

टेंक सतगुरु शरणे जाय तो तामस त्याग जे रे भली बुरी कोई के उठी ने मत लागजे ।।

चरण 1 उठी ने लागे राड़ राड़ महा नीच है ।
अरे जा घट उबजेगा क्रोध वही तो घट नीच है ।। टेंक

चरण 2 जो कोई देवे गाल जुवाब मत दीजिये ।
गम अमृत तेरे पास घोल कर पीजिये ।। टेंक

चरण 3 जो जिनका पड़ीया सुबाव छूटे नहीं जीव से ।
लोम ना मीठा होय सींचों गुड घीव से ।। टेंक

चरण 4 अमृत फल तेरड हाथ रूचे मत राड़ में ।
कागा का पड्या सुबाव देख बेठेगा जई हाड पे ।। टेंक

चरण 5 माला फेरे हाथ कतरनी कांक में ।
आग बुझी मत जाण दबी है राख में ।। टेंक

चरण 6 कहे कबीर सा बीचार सुणो हंस बावरा ।
थारा हंसो चल्यो सतलोग बोहर नहीं आवणा ।। टेंक

साकी

(1) बाना पहीरे सींह का और चले भेड़ की चाल ।
बोली बोले मोर की कुत्ता मारे फाल ।।

(2) भेष बनाया जग ठगा और मन के में सांचा नाय ।
कबीर स्वारथ ले गया लख चौरासी माय ।। ह

भजन क्रमांक नम्बर 8

टेंक ऐ रंगाया कपड़ा जोगी रंग्या कपड़ा तुने मन नो रंगाया रंगाया कपड़ा ।
पाणी में नहाई नहाई पूजा पतरा जोगी तने मन ने रंगाया रंगाया कपड़ा ।। टेंक

चरण 1 जाय जंगल जोगी धुनो लगाई हो ।
ऐ राख लगाई ने होया गदड़ा ।। टेंक